समापन पर प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। बिदाई समारोह में श्रीमती मीरा हांडा सदस्य (प्लानिंग) मुख्य अतिथि थीं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

दिनांक 21 जून 2016 अकादमी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया इस दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों और ने मिलकर भाग लिया ।

समृद्ध विरासत को देखने के लिए दिल्ली और आगरा के विभिन्न स्थानों का भी दौरा किया। प्रतिभागियों के बीच अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक कार्यक्रम में एक खेल उत्सव और सांस्कृतिक उत्सव को आयोजित किया गया था। सभी प्रतिभागियों ने सभी घटनाओं में सक्रिय भाग लिया पाठ्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम के सफल

कविता

दर्द

मत रो ए इन्सान,
रोने से कहाँ तकदीर बदलती है।
सीख कर गुलाबों से हुनर,
तू काँटों में मुस्कराना सीख ले ।।

बेशकीमती हैं ये मोती,
यूं न इन्हे बर्बाद कर ।
न बहने दे इन्हें आखों के रस्ते ,
इस दर्द दो तू जमाने से छुपाना सीख ले ।

मृत लोक है यह, कर्म करने की भूमि,
फल की इच्छा छोड़, कर्म करता जा यूं ही
कर्म करने से ही बनती हैं तकदीरे ,
इस फलसफे को तू, जीवन में अपनाना सीख ले।।

चिर नहीं दुनिया में कोई,
राम, रहीम और सिकंदर सभी मिसाल हैं ।
चले जाना है हमको भी एक दिन, ये जहाँ छोड़कर,
तैयारी में उस दिन की ए "राज", खुद को संवारना सीख ले।।

– राज कपूर

ये जिन्दगी

मुश्किले हैं साथ मेरे,
कर रही गुस्ताख़ियाँ
सोचती है ये मुझे अब,
रोक लेंगी, सोख लेंगी।

मालूम नहीं हैं क्या उन्हें,
फरमान हमारी ताकतों का,
पत्थर बिछाए जा रही जो,
सामनों मे, रास्तो में।।

धड़कने अपनी नहीं अब,
हैं किसी के नाम की,
साथ उनका जो मिल तो
मंजिलों को
छीन लेंगे, जीत लेंगे।।

– आदर्श मिश्रा

निदेशक, रफी अहमद किदवई नेशनल पोस्टल अकादमी, गाज़ियाबाद द्वारा प्रकाशित;
☎ 91-120-2789060, academy@indiapost.gov.in

रफी अहमद किदवई राष्ट्रीय पोस्टल अकादमी

समाचार (न्यूज लैटर)

खंड – I
अप्रैल 2016 – मार्च 2017

डाक अकादमी में आपका स्वागत है! यह एल्विन टॉफलर थे, जिन्होंने कहा था "21 वीं सदी के अशिक्षित वो लोग नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते हैं, बल्कि वो होंगे जिन्हें सीखना, भूलना और दोबारा सीखना नहीं आता हैं"। अकादमी एक ऐसी जगह है जहां हम अधिकारियों को अपने व्यक्तिगत, व्यावसायिक और संगठनात्मक विकास के लिए सीखने, भूलने और पुनः सीखने को प्रोत्साहित करते हैं। हमारे सभी कार्यक्रमों को महान नेताओं के रूप में बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो राष्ट्र को प्रभावित करने के लिए दृष्टि और जुनून, साहस और प्रतिबद्धता रखेगा। कार्यक्रमों के माध्यम से, हम पोस्टल उद्योग की समझ से डाक अधिकारियों को लैस करते हैं और उन्हें अधिक अन्तर-प्रकार्यात्मक जिम्मेदारियों को लेने की क्षमता,परिवर्तन और नवीनता के आयाम प्रदान करते हैं, जिससे वे बेहतर प्रदर्शन कर सके। हमने इस न्यूजलेटर में 2016–17 के दौरान विभिन्न शैक्षणिक और अतिरिक्त पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों को क्रमबद्ध करने की कोशिश की है। मैं सभी संकाय, व्यावसायिक पाठ्यक्रम 2014, 2015 और 2016 के प्रोबेशनर्स और इस अकादमी के सभी कर्मचारियों को यह संभव बनाने के लिए बधाई देना चाहूंगा।

– प्रदीप्त कुमार बिशोई, निदेशक

व्यावसायिक कोर्स 2014–16

भारतीय डाक सेवा के प्रोबेशनर्स प्रोफेशनल कोर्स 2014 ने अपना तीसरा चरण पूरा किया। इस अवधि के दौरान, उन्हें आईआईएम, कोलकाता में प्रबंधन अवधारणाओं का प्रशिक्षण दिया गया। एपीपीसी, बैंकाक और थाईलैंड पोस्ट द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं और नवीनतम तकनीक की जानकारी भी उन्हें प्रदान की गयी। पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद, 21 अक्तूबर, 2016 को एक स्नातक दिवस समारोह आयोजित किया गया। श्री बी.वी. सुधाकर, सचिव (डाक) मुख्य अतिथि और श्री ए एन नंदा, सदस्य (बैंकिंग) इस मौके पर अतिथि थे। परिवीक्षाधीनों द्वारा लेखों वाले एक जर्नल को भी मुख्य अतिथि द्वारा जारी किया गया था। श्री नीरज कुमार झा कोर्स के निदेशक थे।

व्यावसायिक पाठ्यक्रम 2015–17

दिसंबर 2015 में शामिल होने वाले प्रोफेशनल कोर्स 2015 के आईपीओएस प्रोबेशनर्स ने प्रथम चरण के सत्रीय प्रशिक्षण और द्वितीय चरण के फील्ड प्रशिक्षण का क्षेत्रीय प्रशिक्षण पूरा किया। कर्नल अरविंद वर्मा पाठ्यक्रम निदेशक थे। वर्ष के दौरान प्रोबेशनर्स सेना, वायु सेना और नौसेना के प्रमुखों से मिले और कोरिया पोस्ट एपीपीसी, बैंकाक और थाईलैंड पोस्ट द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं और नवीनतम तकनीक की जानकारी भी उन्हें प्रदान की गयी।

व्यावसायिक पाठ्यक्रम 2016–18

प्रोफेशनल कोर्स 2016 के आईपीओएस प्रोबेशनर्स 2016–17 ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान प्रथम चरण का शैक्षणिक प्रशिक्षण पूरा किया। श्री नीरज कुमार झा इस कोर्स के लिए कोर्स डायरेक्टर हैं। प्रशिक्षण के प्रथम चरण के दौरान, प्रोबेशनर्स को अकादमी में पोस्टल ऑपरेशंस का प्रशिक्षण दिया गया और इसके बाद इनके द्वारा डाकघरों का दौरा किया गया।

राजभाषा

रफी अहमद किदवई राष्ट्रीय डाक अकादमी में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग से संबंधित त्रैमासिक बैठक प्रत्येक तिमाही में आयोजित की गयी। प्रत्येक तिमाही में एक कार्यशाला का आयोजन किया जाता है जिसमें किसी राजभाषा से संबंधित प्रमुख वक्ताओं को आमंत्रित किया गया, जिससे कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में काम करना आसान हो जाये।

हिंदी पखवाडा

राष्ट्र भाषा हिंदी के उपयोग को प्रोत्साहित करने हेतु अकादमी में 14 सितम्बर 2016 से 28 सितम्बर 2016 तक हिंदी पखवाडा मनाया गया। इस दौरान हिंदी से सम्बंधित अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े का प्रारंभ एक शपथ के साथ प्रारंभ हुआ जिसमे अकादमी के समस्त संकाय सदस्य एवं करमचारियों ने अधिक से अधिक हिंदी का उपयोग अधि

ाकारिक कार्य में करने की शपथ ली। इस दौरान निबंध लेखन प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, पत्र लेखन प्रतियोगिता आदि का हिंदी में आयोजन किया गया। समस्त कर्मचारियों के हिंदी के ज्ञानवर्धन हेतु एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। समापन समारोह में निदेशक महोदय ने विभिन्न प्रतियोगिताओ के विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया।

स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस

15 अगस्त और 26 जनवरी की तारीखों में क्रमशः स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र की प्रमुखता को दर्शाते हुए हर भारतीय को

विशेष महत्व दिया जाता है। निदेशक महोदय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। वृक्षारोपण के दौरान अकादमी परिसर के आसपास पौध ा रोपण किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन आईपीओएस प्रोबेशनर्स और स्टाफ दोनों द्वारा खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ धूमधाम के साथ किया गया था।

स्वच्छता अभियान

भारत सरकार के स्वच्छता अभियान के अंतर्गत अकादमी में दिनांक 1.11.2016 से 15.11.2016 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान अकादमी के सभी अधिकारियों, प्रोबेशनर्स, अन्य कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर अकादमी परिसर के अंदर और बाहर की सफाई की गयी।

अकादमी दिवस

रफी अहमद किदवाई राष्ट्रीय डाक अकादमी के चौथे अकादमी दिवस 18 फरवरी, 2017 को स्वतंत्र भारत के प्रथम संचार मंत्री स्व. रफी अहमद किदवई की 123 वीं जयंती पर मनाया गया।

श्री प्रदीप्त कुमार बिशोई, निदेशक ने समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गुलाब (फूलों का राजा) पर एक विशेष कवर अकादमी के गुलाब गार्डन की प्रमुखता को दर्शाते हुए जारी किया गया। इसके बाद भारतीय डाक सेवा प्रोबेशनर्स द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

घरेलू प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष के दौरान 106 डाक सेवा वर्ग "ख" के अधिकारियों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी तरह विभिन्न विषयों पर 27 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था जिसमें 568 अधिकारियों ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम

वर्ष के दौरान अकादमी ने 5 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। 30 देशों के 104 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। श्री प्रदीप्त कुमार बिशोई, निदेशक ने कार्यक्रमों का उद्घाटन किया और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। सभी पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों को ऑटोमेटेड मेल प्रसंस्करण केंद्र, नई दिल्ली में ले जाया गया, ताकि उन्हें डाक उद्योग में तकनीकी उन्नति के बारे में जानकारी मिल सके। प्रतिभागियों ने भारत की